1947 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की वीरगाथा याद दिलाएगा 'डकोटा'

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

आठ अक्टूबर को वायुसेना के 86वें स्थापना दिवस के मौके पर जब देश के जांबाज पायलट आसमान में अपनी वीरता का परचम लहराएंगे, ठीक उसी वक्त भारतीय वायुसेना का विंटेज एयरक्राफ्ट 'डकोटा' देश को 1947 में हुए भारत-पाकिस्तान युद्ध की याद दिलाएगा। द्वितीय विश्व युद्ध में शामिल रहा वायुसेना का मालवाहक विमान 'डकोटा' की लोग पहली बार झलक देख सकेंगे।

कबाड़ में पहुंच चुके इस विमान के उद्धार में राज्यसभा सदस्य राजीव चंद्रशेखर का बहुत बड़ा हाथ है। उनके ही प्रयास से इसे ब्रिटेन में फिर से तैयार किया गया। राजीव चंद्रशेखर के अनुसार, 'आज अगर श्रीनगर भारत का हिस्सा है तो उसका सारा श्रेय 'डकोटा' विमान को जाता है। 1947 के भारत-पाक युद्ध में इसी विमान ने सैनिकों को कश्मीर की धरती तक तीव्रता से पहुंचाया, जिससे पाकिस्तानी घुसपैठियों व सेना को करारा जवाब दिया जा सका।' बता दें कि इसे 1930 में रॉयल इंडियन एयर फोर्स के 12वें दस्ते में शामिल किया गया था। 1971 के युद्ध में भी इस विमान ने बांग्लादेश की मुक्ति में अहम भूमिका निभाई। राजीव चंद्रशेखर के मुताबिक, उन्हें यह विमान 2011 में मिला था और इसी साल उन्होंने इसे वायुसेना को फिर सुपुर्द किया है। उनके पिता रिटायर्ड एयर कोमोडोर एमके चंद्रशेखर इस विमान को उड़ाया करते थे। उनका इससे जुड़ाव युवा अवस्था में ही हो गया था।

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में शनिवार को हिंडन एयर फोर्स बेस पर वायु सेना दिवस की फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान डकोटा विमान (नीचे) ने भी उड़ान भरकर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। जागरण

फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान सारंग हेलीकॉप्टर टीम ने अपनी क्षमता का अनूठा प्रदर्शन किया। लोग इस प्रदर्शन से अभिभूत दिखे। जागरण